पत्रिका न्यूज विंडो

विद्यार्थियों ने नए इनोवेशन के साथ दिया प्रजेंटेशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. सूचना प्रौद्योगिकी संचार विभाग की ओर से आई स्टार्टअप की दो दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया।

समापन समारोह में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव संदेश नायक ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी को जो अवसर प्राप्त हो रहे हैं, वह पहले प्राप्त नहीं थे। उन्हें रोजगार के पीछे ना भागकर स्वयं को रोजगार प्रदाता के रूप में देखना। राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए स्वयं को समाज में स्थापित करना होगा।

कृषि विवि के कुलपति प्रो. डीसी जोशी ने कहा कि कोविड के बाद स्वास्थ्य जागरूकता का नया दौर शुरू हुआ है और आज सुदुर क्षेत्रों में बैठी महिलाओं के उत्पाद भी उपयोगी बन गए हैं। उनके महिला उद्यमियों को आई स्टार्ट से जोड़कर प्रशिक्षण प्राप्त करना और योजनओं का लाभ उठाकर अपने उत्पादों को आगे बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने शहर के चारों विश्वविद्यालयों में उपलब्ध संसाधानों का समुचित लाभ उठाने की बात कही।

कार्यशाला में संभाग के सभी जिलों से शिक्षण संस्थाओं से आए छात्र-छात्राओं व स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पादों को प्रस्तुत किया, जिन्हें देखकर आयुक्त ने कुछ के स्टार्टअप के आगे बढ़ने की पूर्ण संभावना बताई और डीओआईटी के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में राजिविका से जुड़े ग्रामीण उद्यमियों ने अपने-अपने उत्पादों के बारे में जानकारी दी। जिला परिषद की सीईओ ममता तिवाड़ी ने जिला परिषद के माध्यम से स्टार्टअप के लिए युवाओं को सहयोग दिलाने की बात कही। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक तपन कुमार, एसीपी इन्क्यूबेटर मनोज कुमार मीना व सूचना सहायक विकास सहित संभाग भर के युवा उपस्थित रहे।

तीन दोस्तों ने बनाया पीजी रूम एप

कोटा से इंजीनियरिंग कर रहे तीन दोस्तों ने मिलकर पीजी रूम सर्विसेस एप बना दिया। फाउंडर सीईओ साहिल पंकज, एंड्रायड डेवलपर गौरव दाधीच, डिजाइनर अर्पित पांचाल, वेब डेवलपर कपिल शाक्यवाल है। एप के जरिए कोटा में पढ़ने आने वाले विद्यार्थियों को घर बैठे रेंट पर पीजी हॉस्टल उपलब्ध हो सकेगा। कोचिंग विद्यार्थियों को घर जैसा खाना व मनो काउंसलर भी उपलब्ध हो सकेंगे।

पॉल्यूशन फ्री पॉलिथिन बनाई

कोटा के इंजीनियरिंग पास आउट मोहक व्यास ने पॉल्यूशन फ्री पॉलिथिन पेश की। यह पॉलिथिन मक्का के दाने और आलू से बनी हुई है। इसकी खासियत यह है कि यह 150 से 180 दिन में गल जाती है। यह सामान्य पॉलिथिन से करीब 6 गुना ज्यादा महंगी है। इसको खाने से पशुओं को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। इसके जरिए प्लास्टिक मुक्त शहर बनाया जा सकता है।

गेहूं के आटे -गुड़ से बनाई स्पेशल क्रॉकरी

बूंदी के आशुतोष श्रृंगी ने एक क्रॉकरी पेश की, जिसे खाया भी जा सकता है। यह गेहूं के आटे और गुड़ से बनाई गई है। इसमें 180 डिग्री पर बना गर्म खाना भी 6 घंटे तक रखा जा सकता है। इसे उपयोग के बाद फेंकने से कोई नुकसान नहीं होता।

सूचना प्रौद्योगिकी संचार विभाग की ओर से आई स्टार्टअप की कार्यशाला को सम्बोधित करते आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव संदेश नायक।

बेस्ट व इनोवेटिव को देंगे मूर्त रुप

पत्रिका साक्षात्कार

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त संदेश नायक से बातचीत

कोटा. सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त व संयुक्त शासन सचिव संदेश नायक शुक्रवार को कोटा पहुंचे। यहां साक्षात्कार के दौरान उन्होंने स्टार्टअप को लेकर कुछ सवालों के जवाब दिए।

सवालः स्टार्टअप्स फंडिंग के लिए क्या प्रयास रहेंगे?

जवाबः राज्य सरकार ने स्टार्टअप्स को अपना प्रॉडक्ट्स बेचने के लिए ई-बाजार प्लेटफार्म तैयार किया है। सरकार ने राज्य सरकार के अधीन विभागों को ई-बाजार पोर्टल में पंजीकृत स्टार्टअप्स से 15 लाख रुपए तक की वस्तुओं को खरीदने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, चैलेंज फॉर चेंज प्रोग्राम के तहत 1 करोड़ तक के कार्यदेश बिना टेंडर के स्टार्टअप्स को दिए जाने की पॉलिसी बनाई गई है। इसके अलावा स्टार्टअप्स-आई स्टार्ट प्लेटफार्म के माध्यम से वेंचर केपलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ जुड़कर फंडिंग जुटा सकते हैं। शहर के युवाओं के बेस्ट व इनोवेटिव आइडियाज को मूर्त रूप देंगे और संभाग व राज्य स्तर पर इनको अवार्ड देंगे।

सवालः स्टार्टअप को किस तरह बढ़ावा मिलेगा।

जवाबः आई स्टार्टअप प्लेटफार्म पर कोटा में संभाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के आइडियाज को एन्टरप्रेन्योरनशिप से जोड़ेंगे। इसके लिए स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में युवाओं को राज्य सरकार की स्टार्ट पॉलिसी के बारे में जानकारी दी गई है। कोटा सहित हाड़ौती में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए 80 सीट का आधुनिक सुविधायुक्त इन्क्यूबेशन सेंटर का निर्माण किया जा रहा है, जो जून तक शुरू हो जाएगा। इन्क्यूबेशन सेंटर को जयपुर स्थित भामाशाह टेक्नो हब के साथ कनेक्ट करेंगे।